



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 15 सितंबर, 2021

अभयिता दविस

देश में प्रतविर्ष 15 सितंबर को 'अभयिता दविस' के रूप में मनाया जाता है। अभयिता दविस भारत के सुवख्यात इंजीनियर डॉ. मोकृषगुंडम वशिवेश्वरैया के जन्म दविस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्हें आधुनिक भारत के 'वशिवकरमा' के रूप में जाना जाता है। इस वर्ष उनकी 160वीं जयंती मनाई जा रही है। एम. वशिवेश्वरैया का जन्म 15 सितंबर, 1861 को मैसूर (कर्नाटक) के 'मुददेनाहल्ली' नामक स्थान पर हुआ था। भारत सरकार ने वर्ष 1968 में उनकी जन्म तिथि को 'अभयिता दविस' घोषित किया था। डॉ. मोकृषगुंडम वशिवेश्वरैया को सचिाई डज़ाइन के मास्टर के रूप में भी जाना जाता है। कृषणा राजा सागर झील और बाँध उनकी सबसे उल्लेखनीय परियोजनाओं में से एक है, जो कर्नाटक में स्थित है। उस समय वह भारत में सबसे बड़ा जलाशय था। वे मैसूर के दीवान भी रहे। वर्ष 1955 में उनकी अभूतपूर्व तथा जनहतिकारी उपलब्धियों के लिये उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से नवाज़ा गया। जब वह 100 वर्ष के हुए तो भारत सरकार ने उनके सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया। उन्हें ब्रिटिश नाइटहुड अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता

फरवरी 2020 में लखनऊ में आयोजित पहले 'भारत-अफ्रीका रक्षा मंत्री सम्मेलन' के दो वर्ष बाद भारत अगले वर्ष (2022) मार्च माह में 'डेफ-एक्सपो' (DefExpo) के अवसर पर 'भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता' का आयोजन करेगा। भारत सरकार इस कार्यक्रम को अपनी द्विविर्षिक 'डेफ-एक्सपो' (DefExpo) सैन्य प्रदर्शनी के साथ आयोजित होने वाले नयिमति कार्यक्रम के रूप के स्थापित करने पर विचार कर रही है। यह वार्ता भारत और अफ्रीकी देशों के बीच मौजूदा साझेदारी के निर्माण में मदद करेगी तथा पारस्परिक जुड़ाव के लिये महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों का पता लगाने हेतु भी मददगार होगी। यह वार्ता गुजरात के गांधीनगर में आयोजित की जाएगी। आयोजन का व्यापक विषय 'भारत-अफ्रीका: रक्षा और सुरक्षा सहयोग में तालमेल एवं सुदृढीकरण हेतु रणनीति अपनाना' है। 'मनोहर पर्रकिर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान' को इस संवाद के नॉलेज पार्टनर के रूप में नियुक्त किया गया है, जो भारत एवं अफ्रीकी देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने हेतु आवश्यक सहायता प्रदान करने में मदद करेगा।

अंतरराष्ट्रीय दक्षिण-दक्षिण सहयोग दविस

प्रतविर्ष 12 सितंबर को दक्षिणी क्षेत्र के देशों के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास को बढ़ावा देने हेतु 'अंतरराष्ट्रीय दक्षिण-दक्षिण सहयोग दविस' का आयोजन किया जाता है। मूलतः 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' का आशय 'ग्लोबल साउथ' की परिधि में आने वाले विकासशील देशों के बीच तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही यह दविस विकासशील देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों पर भी प्रकाश डालता है। दक्षिण-दक्षिण सहयोग विकासशील देशों को ज्ञान, कौशल, विशेषज्ञता और संसाधनों को साझा करने में मदद करता है, ताकि उनके विकास लक्ष्यों को सतत प्रयासों के माध्यम से पूरा किया जा सके। यह पहल 'ग्लोबल साउथ' के लोगों के बीच एकजुटता की अभिव्यक्ति है जो उनके राष्ट्रीय कल्याण, उनकी राष्ट्रीय और सामूहिक आत्मनिर्भरता तथा सतत विकास हेतु वर्ष 2030 एजेंडा सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देता है। यह दविस 138 सदस्य देशों द्वारा विकासशील देशों के बीच तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने और लागू करने हेतु वर्ष 1978 में 'बूनस आयरस प्लान ऑफ एक्शन' (BAPA) को अपनाने की याद में भी मनाया जाता है।

ईरान परमाणु समझौता

मध्य-पूर्वी देश ईरान ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के परमाणु वाचडॉग 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी' को ईरानी परमाणु स्थलों पर नगिरानी कैमरों के उपयोग की अनुमति दे दी है। 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी' और ईरान के बीच इस वार्ता का उद्देश्य तेहरान और पश्चिमी देशों के बीच गतरौध को कम करना था। ज्ञात हो कि वर्ष 2015 में वैश्विक शक्तियों (P5+1) के समूह (संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटन, फ्रांस, चीन, रूस और जर्मनी) के साथ ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम के लिये दीर्घकालिक समझौते पर सहमत व्यक्त की गई थी। इस समझौते को 'संयुक्त व्यापक करियानवयन योजना' (JCPOA) तथा आम बोल-चाल की भाषा में 'ईरान परमाणु समझौते' के रूप में नामित किया गया था। इस समझौते के तहत ईरान ने वैश्विक व्यापार में अपनी पहुँच सुनिश्चित करने हेतु अपने परमाणु कार्यक्रमों की गतिविधि पर अंकुश लगाने हेतु सहमत व्यक्त की थी। समझौते के तहत ईरान को शोध कार्यों के संचालन के लिये थोड़ी मात्रा में यूरेनियम जमा करने की अनुमति दी गई। मई 2018 में इस समझौते को दोषपूर्ण बताते हुए अमेरिका इससे अलग हो गया और ईरान पर प्रतबिध बढ़ाने शुरू कर दिये, जिसके बाद से ईरान लगातार समझौते के तहत उल्लंघित अपनी प्रतबिधताओं का उल्लंघन कर रहा है।

